दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२७० वा | बुधवार ३० एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

राज्य वक्फ बोर्ड को सशक्त और प्रभावी बनाने हेतु सरकार गंभीर-उपमुख्यमंत्री अजित पवार का आश्वासन

मुसलमानों की शैक्षणिक, चिकित्सा और आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे

समीर काज़ी की प्रभावशाली प्रतिनिधित्व की सराहना

मुंबई, २९ अप्रैलः जमीर काजी और अज़ीज़ एजाज़ कि रिपोर्ट): महाराष्ट्र की अल्पसंख्यक विशेषकर मुस्लिम समाज के लिए एक आशाजनक संकेत देते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि राज्य वक्फ बोर्ड से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और इस बोर्ड को एक सक्रिय, स्वायत्त और पारदर्शी संस्था के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि मुस्लिम समुदाय की भलाई में वक्फ की भूमिका सशक्त रूप से सामने आए।

मंत्रालय में आयोजित एक अहम बैठक में मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उन्नति, वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और उनके बेहतर उपयोग से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने की, जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दत्तात्रेय भरने, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुशर्रफ और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अजित पवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वक्फ संपत्तियां मुस्लिम समाज की अमानत हैं और उनका संरक्षण, विकास और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में वक्फ बोर्ड की स्वामित्व वाली जिन इमारतों का निर्माण अधूरा है, उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा ताकि ये संस्थाएं आने वाले दशकों तक मुसलमानों की सेवा कर सकें। उन्होंने कहा कि ये इमारतें केवल ईंट और पत्थर से नहीं बनी हैं, बल्कि ये मुस्लिम समाज की तरक्की के प्रतीक स्तंभ हैं।

बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार से जुड़ी व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की ठोस नीति पर चर्चा की गई। अजित पवार ने कहा कि मुसलमानों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में एक गरिमामयी भागीदार बनाना सरकार का उद्देश्य है। मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के माध्यम से शिक्षा, स्कॉलरशिप, व्यवसायिक प्रशिक्षण और उद्यम विकास की योजनाओं को तेज़ी से लागू किया जाएगा ताकि मुस्लिम युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम युवाओं को केवल शिक्षा नहीं, बल्कि हुनर, प्रशिक्षण और रोज़गार से जोड़ना समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थान विकसित किए जाएं जिनका सीधा लाभ अल्पसंख्यकों को मिले। ऐसे संस्थानों को केवल कागज़ी आंकड़ों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि यह व्यावहारिक विकास का माध्यम बनें।

बैठक में राज्य वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता, फंड्स की समयबद्ध आपूर्ति और निर्णय लेने में स्वतंत्रता पर विशेष बल दिया गया। अजित पवार ने कहा कि वक्फ बोर्ड को एक स्वायत्त, दक्ष और जवाबदेह संस्था बनाना समय की आवश्यकता है, ताकि यह मुस्लिम समाज की सेवा और नेतृत्व का उत्तरदायित्व अच्छे ढंग से निभा सके।

बैठक में महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड के चेयरमैन समीर काज़ी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुनैद सैयद समेत अन्य मुस्लिम अधिकारियों की भागीदारी को सरकार ने इस बात का संकेत बताया कि मुस्लिम प्रतिनिधित्व अब केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि व्यवहारिक स्तर पर हो रहा है। यह पहल मुस्लिम नेतृत्व को यह भरोसा देगी कि उनकी आवाज़ सरकार तक पहुँच रही है। अंत में अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार मुसलमानों को एक सम्मानजनक, समृद्ध और सुरक्षित जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में अल्पसंख्यकों के खिलाफ किसी भी प्रकार के भेदभाव की कोई जगह नहीं है। हमें मिलकर एक ऐसा महाराष्ट्र बनाना है जहाँ हर धर्म, जाति और वर्ग को समान अवसर प्राप्त हों।

इस पूरी प्रक्रिया में चेयरमैन समीर काज़ी की रुचि और प्रयासों की विशेष प्रशंसा की गई।

बेटे की मौत का दुख सह न सकी मां, विष सेवन कर छोड़ दिए प्राण

मां-बेटे की दुखद घटना से गेवराई क्षेत्र शोकाकुल

गेवराई, २९ अप्रैल (प्रतिनिधि):

तालुका के वाहेगाव आम्ला गांव में कर्ज के बोझ से परेशान बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटे की मौत का सदमा न सह पाने पर अगले ही दिन मां ने भी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस हृदयविदारक घटना से गेवराई तालुका में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाहेगाव आम्ला गांव निवासी अभिमान खेतरे (उम्र ४५ वर्ष) ने सोमवार (दिनांक २८) को दोपहर में कर्ज से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटे की मृत्यु की खबर मिलते ही उनकी मां कौशल्या भागुजी खेतरे (उम्र ६० वर्ष) गहरे मानसिक तनाव में आ गईं और उन्होंने भी विषाक्त दवा का सेवन कर लिया।

अभिमान का निधन सोमवार शाम करीब ४ बजे हुआ, जबकि मां कौशल्याबाई का निधन मंगलवार सुबह १० बजे इलाज के दौरान हुआ। एक ही परिवार में दो-दो मौतों की इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक और संवेदना का वातावरण छा गया है।

वक्फ संशोधन एक्ट के खिलाफ आज मुंबई समेत महाराष्ट्र के मुस्लिम इलाकों में बत्ती गुल आंदोलन, उलेमा और मशाइख की पुरजोर अपील

मुंबई, ३० अप्रैल (अज़ीज़ एजाज):

देश भर की मुस्लिम धार्मिक, सामाजिक और मिल्ली संस्थाओं के सहयोग से आज ३० अप्रैल को बत्ती गुल आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। इस आंदोलन का उद्देश्य सरकार द्वारा पेश किए गए विवादास्पद वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध करना है, जिसे मुस्लिम नेतृत्व ने वक्फ संपत्तियों पर हमला करार दिया है।

प्रसिद्ध इस्लामी नेता और रज़ा एकेडमी के प्रमुख अल्हाज मोहम्मद सईद नूरी ने दो टूक शब्दों में कहा, वक्फ संशोधन कानून, जो इस समय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस संदर्भ में खानकाह शारह बुखारी, गोवंडी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें उलेमा-ए-किराम ने आंदोलन को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की।

हज़रत पीर मौलाना वली अल्लाह शरीफी ने देश भर की तमाम मस्जिदों, मदरसों, खानकाहों और जामियात के प्रमुखों से अपील की कि वे इस विवादास्पद एक्ट के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। हज़रत मौलाना एजाज़ अहमद कश्मीरी ने भावुक अंदाज़ में कहा, मुसलमानों की वक्फ संपत्तियों को लूटने की कोशिश की जा रही है। अगर हम आज खामोश रहे तो हमारी आने वाली नस्लें हमें माफ नहीं करेंगी।

बैठक में शामिल प्रमुख उलेमा में शामिल थे:

हज़रत मौलाना अलाउद्दीन रिज़वी, हज़रत मौलाना जहानगीर कादरी, हज़रत क़ारी मोहम्मद तौफीक आज़मी मिसबाही, हज़रत मौलाना रिजवान अहमद आलिमी, हज़रत क़ारी मोहम्मद सईद अशरफी, हज़रत मौलाना तवक्कुल हुसैन शरीफी, हज़रत मौलाना मोहम्मद अली सनाई, हज़रत मौलाना महमूद अली अशरफी, हज़रत मौलाना रज़ी अल्लाह शरीफी, हज़रत हाफिज जुनैद रज़ा रशीदी, इसके अलावा शाहिद भाई, मुख्तार भाई, रिज़वान भाई सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

उलेमा ने ज़ोर देकर कहा कि वक्फ संपत्तियां मुसलमानों की सामूहिक अमानत हैं और उन पर किसी भी तरह का सरकारी कब्ज़ा या हस्तक्षेप हरगिज़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बत्ती गुल आंदोलन के माध्यम से सरकार तक एक शांतिपूर्ण और प्रभावी संदेश पहुँचाया गया कि मुस्लिम जनता अपने धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक संस्थानों की हिफाज़त के लिए हर हद तक जाने को तैयार है।

मुंबई पुलिस आयुक्त पद का अतिरिक्त कार्यभार देवेन भारती को मिलने की संभावना

आज विवेक फणसाळकर होंगे सेवानिवृत्त; अर्चना त्यागी और रितेश कुमार के नामों की भी चर्चा

मुंबई (जमीर काज़ी):

देशभर की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में चर्चा का विषय बने मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसाळकर आज (बुधवार) सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके उत्तराधिकारी के रूप में किसे नियुक्त किया जाएगा, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और होमगार्ड्स के महानिदेशक रितेश कुमार तथा पुलिस हाउसिंग विभाग की प्रमुख अर्चना त्यागी के नामों की चर्चा जोरों पर है।

हालांकि, विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार फिलहाल इस पद को रिक्त रखेगी और मुंबई के विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जाएगा।

देवेन भारती मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अत्यंत विश्वासपात्र अधिकारी माने जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, कुछ महीनों तक यह जिम्मेदारी उन्हीं के पास रहेगी। सेवानिवृत्त हो रहे आयुक्त विवेक फणसाळकर का सम्मान समारोह गुरुवार सुबह नायगांव पुलिस मैदान पर आयोजित किया जाएगा। जून २०२२ से वे मुंबई पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। १९८८ बैच के आईपीएस अधिकारी फणसाळकर ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन मुख्यमंत्रियों - उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस - के साथ काम किया है।

उनकी नियुक्ति के समय महाविकास आघाडी सरकार सत्ता में थी, लेकिन कुछ ही महीनों में सत्ता परिवर्तन हो गया। फणसाळकर की विभाग पर मजबूत पकड़ और त्वरित निर्णय क्षमता के कारण सभी मुख्यमंत्रियों ने उन पर भरोसा बनाए रखा। अब वे ३० अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। आगामी आयुक्त पद के लिए वरिष्ठता के आधार पर १९८९ बैच के एनआईए प्रमुख सदानंद दाते, १९९० बैच के एफएसएल निदेशक संजय वर्मा, १९९१ बैच के होमगाड्र्स प्रमुख रितेश कुमार, तथा १९९३ बैच की अर्चना त्यागी के नाम चर्चा में हैं।

अगर अर्चना त्यागी को नियुक्त किया जाता है तो यह पहली बार होगा कि मुंबई पुलिस आयुक्त का कार्यभार किसी महिला अधिकारी को सौंपा जाएगा। हालांकि, मौजूदा संकेतों के अनुसार, सरकार तुरंत कोई स्थायी नियुक्ति न करते हुए देवेन भारती को अतिरिक्त प्रभार सौंपेगी।

देवेन भारती १९९४ बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। महायुती सरकार ने उनके लिए विशेष आयुक्त का पद निर्मित किया था। सूत्रों के अनुसार, आने वाले महीनों में जब उन्हें डीजी (पुलिस महानिदेशक) स्तर का दर्जा मिलेगा, तब उन्हें पूर्णकालिक पुलिस आयुक्त भी बनाया जा सकता है।

तस्वीर नामा
सच्चाई ।

भविष्य से जो डरता है।
इतिहास पिछा करता है।
इश्वर है उसी के साथ।
सच्चाई पे जो ठहेरता है।

काजी मखदूम
९२७०५७४४४

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर ने भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान दिया-अॅड.सर्जेराव तांदळे

जयदत्त नगर और रुई लिंबा क्षेत्र के विकास कार्य पंकजाताई मुंडे के माध्यम से पूर्ण करेंगे-आश्वासन

बीड (प्रतिनिधि): दिनांक २८ अप्रैल २०२५, सोमवार को बीड तालुका के रुई लिंबा गांव में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष शंकर देशमुख, जिला सरचिटणीस एड. सर्जेराव तांदळे, संगठन सरचिटणीस देविदास नागरगोजे, उपाध्यक्ष नवनाथ अण्णा शिराळे, शांतिनाथ डोरले समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में एडवोकेट तांदळे ने कहा कि आज जो देश का शासन व्यवस्था, कानून और संविधानिक प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है, उसका श्रेय पूरी तरह से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को जाता है। उन्होंने ही समाज के सबसे पिछड़े, वंचित और गरीब तबके को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। आज हर वर्ग को न्याय, शिक्षा और नौकरी के समान अवसर उन्हीं के कारण प्राप्त हो रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आज कई पिछड़े वर्ग के युवा डॉ. आंबेडकर की प्रेरणा और संविधान द्वारा मिले अधिकारों के कारण आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों पर पहुँच चुके हैं।

एड. तांदळे ने कार्यक्रम में यह भी आश्वासन दिया कि जयदत्त नगर और आस-पास के क्षेत्रों के जो भी विकास कार्य लंबित हैं, उन्हें केंद्रीय नेता पंकजाताई मुंडे के माध्यम से शत-प्रतिशत पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गली से दिल्ली तक आज हमारी सरकार है, इसलिए अच्छे और सकारात्मक कार्यों में कोई अड़चन नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम में लहू लगड, गणेश म्हेत्रे, दलित पैंथर के जिला अध्यक्ष नितीन सोनवणे, सचिन तिपटे, गणेश प्रभू पवार, महादेव उद्धव ओव्हाळ, राहुल कचरू कांबळे, प्रभू नामदेव पवार, सतीश दशरथ सोळुंके, सागर सुरेश सोळुंके, अशोक गायकवाड सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस सफल कार्यक्रम का आयोजन विकास वाव्हळ द्वारा किया गया था।

रेलवे पटरी पर मिला युवक का शव

मलकापुर शिवार में मिली लाश से हत्या की आशंका

परळी, २९ अप्रैल (प्रतिनिधि):

परळी ग्रामीण पुलिस थाने की सीमा अंतर्गत मलकापुर शिवार के रेलवे ट्रैक पर मंगलवार (२९ अप्रैल) सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जानकारी में कहा गया कि युवक रेल यात्रा के दौरान गिरा होगा, लेकिन शव पटरी के बीचोंबीच पाए जाने से हत्या की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। इस प्रकरण की जांच परळी पुलिस कर रही है।

मंगलवार सुबह कुछ स्थानीय लोगों को मलकापुर शिवार स्थित रेलवे पटरी पर युवक का शव दिखाई दिया। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और घटनास्थल पर खून फैला हुआ था। सूचना मिलने पर परळी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा।

दोपहर में मृतक की पहचान कर ली गई, जो उदगीर क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, यात्रा करते समय गिरने से उसकी मौत हुई होगी, लेकिन शव रेलवे पटरी के बीचोंबीच पड़ा होने के कारण घटना पर संदेह जताया जा रहा है।

यह दुर्घटना है या किसी प्रकार का षड्यंत्र, इसकी गहराई से जांच परळी पुलिस द्वारा की जा रही है।

बीड नगर परिषद द्वारा निकाले गए सभी टेंडर रद्द

फारुख पटेल, अशफाक इनामदार के रिटायरमेंट के बाद लिया गया निर्णय, जल्द शुरू होगी नई प्रक्रिया

नगर परिषद मुख्याधिकारी शुद्धीपकक काले ने दी जानकारी

बीड (प्रतिनिधि): बीड नगर परिषद ने सफाई कार्य, कचरा उठाव और अन्य विभागीय ठेकेदारियों से संबंधित करीब आठ करोड़ रुपये के टेंडर रद्द कर दिए हैं। इनमें ई-लायब्ररी, डिजिटल क्लासरूम समेत कुल ५० से अधिक टेंडरों को शामिल किया गया था।

स्वच्छता विभाग से जुड़े ठेकेदारों द्वारा पिछले कई वर्षों से कार्य किया जा रहा था। अब इनकी अवधि पूर्ण होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। नगर परिषद के पूर्व सभापति फारुख पटेल और तत्कालीन मुख्याधिकारी अशफाक इनामदार के रिटायरमेंट के बाद नये प्रशासन ने यह बड़ा निर्णय लिया है।

नगर परिषद के नये मुख्याधिकारी शुद्धीपकक काले ने कहा कि ये सारे टेंडर अब रद्द कर दिए गए हैं और जल्द ही नई प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह कदम पारदर्शिता सुनिश्चित करने और विकास कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए उठाया गया है।

पहलगाम हमले में मारे गए नागरिकों के परिजनों को ५० लाख रुपये और सरकारी नौकरी: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (प्रतिनिधि): पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों के परिजनों को महाराष्ट्र सरकार की ओर से ५० लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दी जाएगी, यह घोषणा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मृतकों के परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है।

भीख मांगने वाले व्यक्तियों को अब मिलेगा ४० रुपये प्रतिदिन मेहनताना, ६१ वर्षों में पहली बार बदलाव

मुंबई:

भीख मांगने की प्रवृत्ति को रोकने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने भिक्षागृहों में रहने वाले व्यक्तियों को अब ५ रुपये की जगह ४० रुपये प्रतिदिन मेहनताना देने का फैसला किया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

१९६४ से अब तक सिर्फ ५ रुपये प्रतिमाह मेहनताना दिया जाता था। अब ६१ साल बाद इसमें बदलाव हुआ है। महाराष्ट्र में १४ भिक्षागृह संचालित किए जाते हैं, जिनमें करीब ४१२७ व्यक्तियों का पुनर्वास होता है। उन्हें कृषि व लघुउद्योग प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे आत्मनिर्भर हो सकें। नया निर्णय उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री यशस्वी छात्रवृत्ति योजना (झच-ध-ड-डतख) को राज्य में लागू करने को मंजूरी

ओबीसी और डीएनटी वर्गों के छात्रों को केंद्र सरकार की मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत दी जा रही छात्रवृत्तियों के लिए अब केंद्र ६०% और राज्य ४०% हिस्सा देगा। इस संबंध में २३ जून २०२३ को जारी शासन निर्णय को अब मंत्रिमंडल की बैठक में औपचारिक मंजूरी दे दी गई। महा-इनविट: महाराष्ट्र बना देश का पहला राज्य जिसने पायाभूत ढांचे के लिए इनविट ट्रस्ट की स्थापना की

राज्य सरकार ने सड़क, पुल, व अन्य पायाभूत संरचना परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाने हेतु महा-इनविट नामक ट्रस्ट की स्थापना को मंजूरी दी है। इसके तहत सरकारी संपत्तियों को ट्रस्ट को हस्तांतरित कर आय एकमुश्त प्राप्त की जाएगी, जिससे नए प्रोजेक्ट्स के लिए धन जुटाया जा सकेगा। जहाज निर्माण, मरम्मत और पुनः उपयोग की नई नीति को मंजूरी

राज्य सरकार ने समुद्री क्षेत्र के अंतर्गत जहाज निर्माण, मरम्मत और पुनरावर्तन की नई नीति को मंजूरी दी है। यह नीति मेरीटाइम इंडिया विज़न २०३० और अमृतकाल विज़न २०४७ के अनुसार बनाई गई है। इसका उद्देश्य भारत को जहाज पुनरावर्तन में पहले और जहाज निर्माण में शीर्ष ५ देशों में लाना है।

फसल बीमा योजना में बदलाव को मंजूरी - अब कटाई प्रयोग आधारित बीमा योजना लागू

अब किसानों को एक रुपए में बीमा की बजाय खरीफ के लिए २%, रबी के लिए १.५% और नकदी फसलों के लिए ५% प्रीमियम देना होगा। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को जारी रखते हुए अब नई निविदा प्रक्रिया से कंपनियों का चयन किया जाएगा।

कृषि में पूंजी निवेश बढ़ाने के लिए २५ हजार करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी

अगले ५ वर्षों में हर साल ५००० करोड़ रुपये निवेश कर कृषि में आधारभूत संरचना निर्माण के लिए नई योजना शुरू की जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और वातावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है।

गोंड-गोवारी समाज के लिए विशेष विकास कार्यक्रम को मंजूरी

आदिवासी समाज की तर्ज पर गोवारी समाज के लिए शिक्षा, रोजगार, प्रशिक्षण आदि बहुआयामी योजनाएं शुरू होंगी। ६००० छात्रों को नामांकित अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से बारहवीं तक शिक्षा दिलाई जाएगी। इन छात्रों के लिए स्कूल की सभी फीस, रहन-सहन, भोजन और सुरक्षा आदि का खर्च सरकार वहन करेगी।

पंजीकृत सुरक्षा कर्मियों को मिलेगा खाकी रंग का यूनिफॉर्म; १ मई से राज्यभर में लागू-श्रम मंत्री आकाश फुंडकर

मुंबई (जमीर काजी):

राज्य के पंजीकृत सुरक्षा कर्मियों के लिए सरकार ने खाकी रंग के यूनिफॉर्म को मंजूरी दे दी है। इस यूनिफॉर्म में नीले रंग की टोपी होगी, जिस पर सुरक्षा रक्षक मंडल का लोगो और नाम अंकित रहेगा। श्रम दिवस के अवसर पर यह नया खाकी गणवेश १ मई से राज्यभर में अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ऐसी घोषणा श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फुंडकर ने की है।

आज नरिमन भवन में श्रम मंत्री फुंडकर के हाथों नवनिर्धारित खाकी गणवेश का अनावरण किया गया। राज्य के पंजीकृत सुरक्षा रक्षक मंडलों और विभिन्न संगठनों द्वारा गणवेश का रंग खाकी रखने की मांग की गई थी। इसी के अनुरूप पूरे राज्य में, जिला स्तर पर कार्यरत १६ सुरक्षा रक्षक मंडलों के तहत सभी सुरक्षा कर्मियों के लिए अब एक समान गणवेश अनिवार्य रहेगा।

श्रम मंत्री फुंडकर ने कहा कि इस कदम से सुरक्षा रक्षकों की पहचान एकरूप बनी रहेगी और उनके अनुशासन में भी वृद्धि होगी। साथ ही, इस नए गणवेश से राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक संगठित और व्यावसायिक स्वरूप प्राप्त होगा।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com